प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 5 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझ लिया गया था। पौराणिक आख्यानों के आधार पर शनि, सूर्य के पुत्र हैं। भैंसा इनका प्रिय वाहन है और इनको तेल अत्यंत प्रिय है। सत्य यह है कि शनि सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है। पुराने समय में लोग इसकी सुंदरता को देखने में असमर्थ थे। सुनी–सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में भ्राँतियाँ फैलती चली गईं। आधुनिक खोजों ने सिद्ध किया है कि दूरबीन से शनि ग्रह को देखा जाए तो पुराने ख्याल बदल जाएँगे।

ग्रहों के क्रमानुसार सौरमंडल में शनि का स्थान छठे नम्बर पर है। यह ब्रहस्पति और यूरेनस के मध्य सूर्य की परिक्रमा करता है। यह ग्रह अत्यंत मंद गति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है। शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है। शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है। शनि के वायुमण्डल का तापमान शून्य से 150 सेन्टिग्रेड नीचे रहता है। अतः यहाँ जीवन संभव नहीं है।

पुराने समय में सौरमण्डल में केवल एक चंद्रमा की जानकारी थी। वैज्ञानिक खोजों के आधार पर अनेक चंद्रमाओं की खोज कर ली गई है। खोजों के बाद अब शनि उपग्रहों की संख्या सत्रह हो गई है। पूरे सौरमण्डल में साठ उपग्रहों की खोज की गई है। शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा टाइटन है। यह उपग्रह हमारे चंद्रमा से काफी बड़ा है। टाइटन की अद्‌भुत विशेषता इसका वायुमण्डल है। इसके वायुमण्डल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है। इस पर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है। शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चारों ओर वलय या घेरे दिखाई देते हैं। इन वलयों या छल्लों से इसकी सुंदरता काफी बढ़ जाती है। इन वलयों की खोज गैलीलियों ने की थी। नई खोजों के आधार पर सौरमण्डल के कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है। शनि जितने सुंदर और स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं हैं।

1. प्राचीनकाल में शनि को कैसा ग्रह समझा जाता था? इनको क्या प्रिय है? 2

उत्तर : प्राचीनकाल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझा जाता था जिसके दुष्प्रभाव से बचाव कठिन था। पौराणिक आख्यानों में शनि को सूर्य का पुत्र माना गया है। इनको वाहन के रूप में भैंसा और तेल अत्यंत प्रिय है।

2. पुराने समय में शनि के बारे में क्या भ्रांतियाँ थीं? आधुनिक खोजों में किस सत्य का पता चला है? 2

उत्तर : पुराने समय में लोग शनि को देख नहीं पाते थे, इसलिए उनके मन में यह भ्रांति थी कि शनि अमंगलकारी और अशुभ है जबकि सच तो यह है कि शनि सौरमण्डल का सबसे सुंदर ग्रह है। पुराने समय में लोग इसकी सुंदरता को देख नहीं पाते थे लेकिन वर्तमान में इसे दूरबीन से देखा जा सकता है।

3. ग्रहों के क्रमानुसार शनि का कौनसा स्थान है? इसकी गति और इसके वायुमण्डल के तापमान के बारे में बताइए। 2

उत्तर : ग्रहों के क्रमानुसार सौरमण्डल में शनि का छठा स्थान है। यह बृहस्पति और यूरेनस के मध्य सूर्य के चारों ओर घूमता है। यह सूर्य के चारों ओर बहुत मंद गति से घूमता है और इसे सूर्य की एक परिक्रमा करने में लगभग तीस वर्ष का समय लगता है। शनि के वायुमण्डल का तापमान शून्य से 150 से–न्टिग्रेड नीचे रहता है इसलिए यह बहुत ठंडा ग्रह है।

4. शनि के कितने उपग्रह (चंद्रमा) हैं? इसका सबसे बड़ा उपग्रह कौनसा है तथा इसकी क्या विशेषता है? 2

उत्तर : अब तक शनि के सत्रह उपग्रहों का पता चला है जिनमें से सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन है। यह हमारे चंद्रमा से बहुत बड़ा है। टाइटन की अद्‌भुत विशेषता इसका वायुमण्डल है जिसमें

मीथेन गैस की भरमार है। दूसरे शब्दों में यहाँ मीथेन गैस पानी की तरह है।

5. अत्यंत तथा सुंदरता शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं प्रत्यय बताइए। 1

उत्तर : अत्यंत शब्द में अति उपसर्ग तथा सुंदरता शब्द में ता प्रत्यय लगा हुआ है।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : शनि ग्रह।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द, शब्द है या पद, पहचान कीजिए। 1

राम, श्याम और गीता

उत्तर : श्याम शब्द है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. हर जगह मोदी जी का भव्य स्वागत हुआ। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जहाँ भी मोदी जी गए, वहाँ पर उनका भव्य स्वागत हुआ।

2. वह पीड़ा से कराहता है। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : चूँकि उसे पीड़ा है इसलिए वह कराहता है।

3. मुझे ज्वर था इसलिए मैं स्कूल नहीं जा सका। (सरल वाक्य में)

उत्तर : ज्वर होने के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

नीलांबर, राजपुत्र।

उत्तर : नीलांबर– नीला है जो अंबर (कर्मधारय समास)
राजपुत्र– राजा का पुत्र (संबंध तत्पुरूष समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

भ्राता का स्नेह, राह के लिए खर्च।

उत्तर : भ्राता का स्नेह – भ्रातृस्नेह (संबंध तत्पुरूष समास)
राह के लिए खर्च– राहखर्च (सम्प्रदान तत्पुरूष समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मेरे को घर जाना है।

उत्तर : मुझे घर जाना है।

2. तुमने यह क्या करा?

उत्तर : तुमने यह क्या किया?

3. शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा।

उत्तर : देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।

4. अध्यापिका से संस्कृत पढ़ाई है।

उत्तर : अध्यापिका ने संस्कृत पढ़ाई है।

6. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। $1 \times 4 = 4$

1. आकाश–पाताल एक करना

उत्तर : मोहन ने कक्षा में प्रथम आने के लिए आकाश पाताल एक कर दिया।

2. अंधे की लाठी

उत्तर : रहीम अपने माता–पिता के लिए अंधे की लाठी है।

3. ईद का चाँद होना

उत्तर : जब से प्रीति की नौकरी लगी है, वह ईद का चाँद हो गई है।

4. आस्तीन का साँप

उत्तर : राज ने निर्भय की बहुत सहायता की लेकिन वह तो आस्तीन का साँप निकला।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोजा क्यों रखा?

उत्तर : लेखक की माँ ने स्टूल पर चढ़कर अंडे को बचाने की कोशिश की, पर इसी कोशिश में वह हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर व्यथित हो गए। इस दृश्य को देखकर माँ रोने लगी। इसके प्रायश्चित के लिए माँ ने खुदा से अपने गुनाह को माफ करने के लिए रोजा रखा। उसने कुछ नहीं खाया–पीया, बस रोती रही।

2. वृजलाल गोयनका किस प्रकार पकड़े गए? डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर वृजलाल गोयनका को एक अंग्रेज घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर दूर ले गए और उन्हें छोड़ दिया। वे स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गए। फिर वे दो सौ आदमियों का जुलूस बनवाकर लाल बाजार गए। वहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

3. घुड़सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर : वह घुड़सवार स्वयं वजीर अली था। उसे पता था कि कर्नल कालिंज उसे पकड़ने के लिए अपनी फौज के साथ जंगल में डेरा डाले हुए थे। वजीर अली ने निडर होकर पूरे आत्मविश्वास से एकांत कमरे में कर्नल से बात की और कहा कि वजीर अली को पकड़ने के लिए उसे कारतूस चाहिए। कर्नल से कारतूस लेकर वह वहाँ से चला गया।

4. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में स्वच्छंदता का समावेश हो गया था। उसे इस बात का अभिमान हो गया था कि वह पढ़े या न पढ़े पास हो ही जाएगा। तकदीर उसका साथ दे रही थी और इसलिए वह बड़े भाई साहब की

सहनशीलता का अनुचित लाभ उठाने लग गया था। उसने सोचा कि अब उनका मुझे डाँटने का कोई अधिकार नहीं। बड़े भाई के प्रति उसका पहले जैसा आदर भाव भी नहीं रहा जो उसके रंग–ढंग, हाव–भाव से स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

8. बड़े भाई साहब पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर–तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं? 80–100 शब्दों में बताइए 5।

उत्तर : **बड़े भाई साहब** पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा प्रणाली के निम्नलिखित तौर–तरीकों पर व्यंग्य किया है–

1. इस प्रणाली में अंग्रेजी को अधिक महत्व दिया जाता है। सभी विषय अंग्रेजी में पढ़ाए जाते हैं।
2. यह प्रणाली सख्त विधि को बढ़ावा देती है। छात्रों को पाठ्य सामग्री को कंठस्थ रखना पड़ता है।
3. इस शिक्षा प्रणाली में विषयों की अधिकता होने के कारण छात्रों को खेलकूद का समय नहीं मिलता।
4. इस शिक्षा प्रणाली में विस्तार पर बल दिया जाता है। विषय को संक्षिप्त करने की अपेक्षा विस्तार किया जाता है।
5. यह शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इसमें लिखने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।

हम लेखक के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हैं। इस शिक्षा प्रणाली में बालकों की अपनी स्वच्छंदता नष्ट हो गई है क्योंकि सब कुछ पुस्तकीय ज्ञान पर आधारित है।

अथवा

गिन्नी का सोना पाठ में क्या संदेश दिया गया है? 80–100 शब्दों में बताइए।

उत्तर : इस पाठ के माध्यम से लेखक उन लोगों से परिचित कराता है जो इस संसार में आदर्श और व्यवहार को लेकर चलते हैं। जीवन में आदर्शवादिता की रक्षा तो बहुत जरूरी है लेकिन आदर्श अव्यावहारिक नहीं होना चाहिए। व्यवहार में लाए बिना आदर्श का कोई मूल्य नहीं होता। इसलिए व्यावहारिकता की भी उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। आदर्शों या जीवन मूल्यों को प्रमुखता देनी चाहिए। आदर्श को व्यवहार में लाते समय हमें उसकी मूल भावना और गरिमा से समझौता नहीं करना चाहिए। व्यावहारिकता को आदर्शों पर हावी नहीं होने देना चाहिए सोने की तरह आदर्शों को मजबूत तथा चमकदार बनाने के लिए व्यावहारिकता रूपी ताँबा थोड़ी मात्रा में तो मिलाना ही पड़ेगा।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कर चले हम फिदा, कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

उत्तर : इस कविता में धरती को दुल्हन इसलिए कहा गया है क्योंकि सैनिकों ने अपने खून से इसकी माँग भरी थी। भारतीय सैनिक इस दुल्हन की रक्षा के लिए जी जान से लड़े थे। चीन इस दुल्हन पर अपना हक जमाना चाहता था परन्तु भारतीय सैनिकों ने स्वयं का बलिदान देकर इसकी रक्षा की। उन्होंने अपना खून देकर धरती रूपी दुल्हन की माँग भर दी और इस तरह अपने कर्तव्य को भली–भाँति पूरा किया।

2. सच्चे मन में राम बसते हैं, बिहारी के दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी कहते हैं– जप करने, माला फेरने से, सारे शरीर में चंदन का छाप लगाने से अथवा माथे पर तिलक लगाने से एक भी काम नहीं निकलता, ये सब बाहरी दिखावे हैं। ये सब व्यर्थ हैं क्योंकि ऐसा कच्चे मन वाले लोग करते हैं। राम को तो पक्के मन वाले सच्चे लोग अच्छे लगते हैं।

3. **आत्मत्राण** कविता के आधार पर बताइए कि हमारा परमात्मा के प्रति कैसा भाव होना चाहिए?

उत्तर : हमारी परमात्मा के प्रति आस्था निष्कपट, अटल और अटूट होनी चाहिए। न तो हम दुख में उसके प्रति अनास्था या संदेह आने दें और न ही सुख में उसे भूल जाएँ। परमात्मा से शक्ति व आत्मबल की केवल चाह हो न कि विपदा से बचाने के लिए प्रार्थना करें।

4. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

उत्तर : उदार व्यक्ति की पहचान यह है कि वह इस असीम संसार में आत्मीयता का भाव भरता है। सभी प्राणियों के साथ अपनेपन का व्यवहार करता है, नित्य परोपकार के कार्य करता है, जिसके हृदय में दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा का भाव होता है। उदार व्यक्ति दूसरों की सहायता के लिए अपने तन, मन और धन को किसी भी क्षण त्याग सकता है जो दूसरों की प्राणरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर रहता है। वह जाति, देश, रंग–रूप आदि का भेद किए बिना सभी को अपना मानता है। वह स्वयं हानि उठाकर भी दूसरों का हित करता है। प्रेम, भाईचारा और उदारता ही उसकी पहचान है।

10. मीरा की भक्ति–भावना पर 80–100 शब्दों में प्रकाश डालिए। 5

उत्तर : कृष्ण भक्त कवयित्री मीरा कृष्ण को अपना प्रियतम और पति मानती हैं। पाठ में दिए गए पदो में मीरा कृष्ण की दीवानी दिखाई पड़ती है। वे कृष्ण से अपनी रक्षा करने तथा अपनी पीड़ा दूर करने की गुहार लगाती हैं। कृष्ण ही उनके उद्धारक हैं। वे कृष्ण की चाकरी करना चाहती हैं। इसी बहाने उन्हें उनकी निकटता प्राप्त होगी। पीतांबर, बैजंतीमाला, मोर पंखों वाला मुकुट पहने श्रीकृष्ण का रूप उन्हें पसंद है। वे उनके लिए कुसुंबी साड़ी पहनने को तैयार हैं। इस प्रकार मीरा ने अपने पदों में श्रीकृष्ण की सगुण भक्ति की है और उन्हें अपना सर्वस्व माना है। मीरा कृष्ण की अनन्य भक्त हैं और उनकी भक्ति–भावना में किसी प्रकार का निजी स्वार्थ नहीं है। बस कृष्ण की भक्ति करना, उनके गीत रचना और उसमें अपने मन में उद्‌गार व्यक्त करना उनका जीवन–ध्येय है।

अथवा

दोहों के आधार पर कवि बिहारी की शैली की विशेषताएँ 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी मुख्य रूप से श्रृंगारपरक दोहों के लिए जाने जाते हैं परन्तु पाठ में संकलित दोहों में श्रृंगार के अलावा लोक–व्यवहार, नीति–ज्ञान आदि की झलक देखने को मिलती है। बिहारी कम–से–कम शब्दों में अधिक–से–अधिक अर्थ भरने की कला में निपुण माने गए हैं। अतः यहाँ भी उनके दोहा छंदों में यह विशेषता दृष्टिगोचर होती है। पाठ में जितने भी दोहे लिए गए हैं उनमें ब्रजभाषा का प्रयोग किया गया है। इनकी भाषा भावाभिव्यक्ति में पूर्णतया सक्षम है। इनके दोहों में अलंकारों की बहुतायत भी दिखाई देती है।

11.

1. टोपी जहीन (बुद्धिमान) होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है? अपने विचार 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

   उत्तर : जहीन बुद्धिमान होने के बावजूद भी टोपी नौवीं कक्षा में फेल हो गया। उसकी पारिवारिक परिस्थितियाँ उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करती थीं। जब भी वह पढ़ने बैठता तो बड़े भाई या माँ को कोई काम याद आ जाता। छोटा भाई उसकी कॉपियाँ खराब कर दिया करता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया। डॉक्टर भृगु नारायण चुनाव के लिए खड़े हो गए और घर में चुनावी माहौल छा गया परन्तु फिर उसने दृढ़ निश्चय किया कि वह किसी भी तरह परीक्षा जरूर देगा और उसने कर दिखाया। परिस्थितियाँ सदैव हमारे अनुकूल नहीं होती परन्तु उनका सामना करके कर्तव्य पथ पर बढ़कर ही हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

2. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते हैं? कहानी के आधार पर 60–70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 3

   उत्तर : अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है क्योंकि उन्होंने अपने भाइयों एवं महंत के व्यवहार के साथ–साथ घर की बहुओं के बदले हुए व्यवहार को भी झेला है। वे भली–भांति जानते हैं कि इन सबके बदले हुए व्यवहार के पीछे उनकी जमीन है। उन्हें हरिहर काका से नहीं बल्कि उनकी जमीन से प्यार है। वे जानते हैं कि अपने जीते–जी यदि वे जमीन अपने भाइयों के नाम लिख देंगे तो उनके भाइयों का व्यवहार उनके प्रति बदल जाएगा। उन्हें यह बात अपने भाइयों तथा महंत दोनों के ही व्यवहार से समझ में आ गई थी।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **परहित सरिस धर्म नहिं भाई।**

   ✻ मनुष्यता की कसौटी ✻ जीवन की सार्थकता ✻ परोपकार से आनंद की अनुभूति

2. **साहस।**

   ✻ साहस का गुण सर्वोपरि ✻ साहसी का सम्मान ✻ साहस की आवश्यकता ✻ प्रभाव।

3. **लड़का–लड़की एक समान।**

   ✻ समाज में दोनों का स्थान ✻ समानताएँ ✻ लड़कों को महत्व क्यों? ✻ सृष्टि का अहम भाग।

1. परहित सरिस धर्म नहिं भाई

परोपकार मानव जीवन का धर्म है। परोपकार की भावना के बिना मनुष्य और पशु में किंचित अंतर नहीं है। परोपकार करने से आत्मा को जिस सच्चे आनंद की प्राप्ति होती है, उसको शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता। स्वयं भूखे–प्यासे रहकर किसी की भूख– प्यास को मिटाने से असीम आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है। परोपकार में ही जीवन की सार्थकता है। अपने जीवन को सफल बनाने के लिए हमें अपनी समस्त शक्तियों का प्रयोग परोपकार के लिए करना चाहिए। हमें अपनी धन–संपदा का प्रयोग दूसरों का हित–संपादन करने के लिए अपनी शक्ति का प्रयोग अत्याचार तथा अन्याय के निवारण के लिए तथा अपनी बुद्धि का प्रयोग संसार के अंधकार को दूर करने के लिए करना चाहिए। यदि जीवन में आप पुण्यशील बनकर पुण्य प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो परोपकार कीजिए और यदि पापों का संचय करना चाहते हैं तो दूसरे प्राणियों को पीड़ा दीजिए। अतः हमें परोपकार की पवित्र भावना से प्रेरित होकर जहाँ तक संभव हो सके, दूसरों के कष्टों का निवारण करना चाहिए क्योंकि जीवन में आनंद की प्राप्ति का यह एक सहज मार्ग है।

2. साहस

मनुष्य के सभी गुणों में साहस सर्वोत्तम है क्योंकि यह सभी गुणों की कहानी है। मानव –इतिहास में जो कुछ पठनीय है, वह मनुष्य के साहस और वीरता की कहानी है। संकट में साहस से काम लेना आधी सफलता प्राप्त कर लेना है। जो मनुष्य कभी साहस नहीं छोड़ता वह कभी पराजित नहीं होता। मिल्टन का कथन है– युद्ध में पराजित हो गए तो क्या चिंता है, सब कुछ तो पराजित नहीं हुआ। अपराजित निश्चय और साहस कभी पराजय स्वीकार नहीं करता। नेपोलियन ने चुनौती देते हुए कहा था– कोई एल्पस नहीं है। वह अपनी सेना पहाड़ों के पार इटली ले गया और विजय प्राप्त की। उचित क्या है? यह जान लेना, लेकिन उस पर अमल न करना साहस के अभाव का द्योतक है। साहस के अभाव में विद्या उस मोम के पुतले के समान है जो देखने में तो सुंदर लगता है परन्तु किसी वस्तु का स्पर्श होते ही पिघल जाता है। बिना निराश हुए पराजय को सह लेना पृथ्वी पर साहस की सबसे बड़ी परीक्षा है। साहस की जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकता है। साहसी व्यक्ति को यदि कभी पराजित होना भी पड़ता है तो उसकी पराजय क्षणिक होती है। अंत में विजय भी उसी के हाथ लगती है।

3. लड़का–लड़की एक समान

मानव सभ्यता के विकास में लड़का–लड़की का समान योगदान है। दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। दोनों में शारीरिक रूप से बेशक भिन्नता है। लड़का शक्तिशाली है तो लड़की कोमल होते हुए भी धैर्य और सहनशीलता की मूर्ति। प्राचीन काल में दोनों को समान अधिकार प्राप्त थे, परन्तु मुगलकाल में लड़की को गौण स्थान दिया जाने लगा। राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद जैसे महापुरूषों ने नारी को एक बार फिर बराबर का अधिकार दिलाने की आवाज उठाई परन्तु स्थिति में अब तक भी पूरी तरह सुधार नहीं आया। लड़की के जन्म पर अनेक परिवारों में आज भी घर में उदासी छा जाती है। लड़के को वंश बढ़ाने वाला और कुलभूषण माना जाता है। हम सबको मिलकर समाज को बदलना होगा, लोगों में जागरूकता लानी होगी और यह समझना होगा कि लड़का–लड़की में कोई अंतर नहीं है, दोनों समान ही हैं।

13. आपका पानी का मीटर खराब पड़ा है और इस कारण सही भुगतान नहीं हो पा रहा है। कार्यपालक अभियंता को इस संबंध में एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
कार्यपालक अभियंता,
दिल्ली जल बोर्ड,
बदरपुर, दिल्ली।
विषय : पानी का मीटर बंद होने के संदर्भ में।
महोदय,

मैं लक्ष्मी नगर का निवासी हूँ। मेरा मकान नं. जेड 185 है और मैं गली नं. 12 में रहता हूँ। विगत चार मास से मकान पर लगा पानी का मीटर बंद पड़ा है। इस संबंध में मीटर रीडर से कई बार शिकायत की परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अब मैं लिखित शिकायत कर रहा हूँ। मीटर खराब होने के कारण पानी के अनुमानित बिल का भुगतान मैं नियमित समय पर कर रहा हूँ परन्तु इससे खपत का सही आंकलन नहीं हो पा रहा हैं अतः आपसे अनुरोध है कि या तो इस मीटर को ठीक करवाएँ अथवा इसे बदलवाने की व्यवस्था करायें।

आशा है कि आप इस समस्या का निदान तत्काल कराने की कृपा करेंगे। मैं इस पत्र के साथ पिछले तीन मास के पानी के भुगतान किए गए बिलों की फोटो प्रति संलग्न कर रहा हूँ।

सधन्यवाद।
भवदीय
अरुण पारिक
प्रताप नगर,
दिल्ली।
दिनांक : 18 अगस्त, 2018

अथवा

अपनी श्रेष्ठ उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानाचार्य को अपने विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान वर्ग में प्रवेश देने के लिए आवेदन–पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
जानकी देवी आदर्श विद्यालय,
दिल्ली।
विषय : ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान–वर्ग में प्रवेश के लिए आवेदन।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने वर्ष 2018–19 में आपके विद्यालय से दसवीं बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। विज्ञान और गणित के विषयों में मुझे 93 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। दसवीं कक्षा के अध्यापक मेरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते रहे हैं। विज्ञान के विषयों से मेरा गहरा लगाव है। विद्यालय की ओर से आयोजित विज्ञान संगोष्ठी में मैं हमेशा भाग लेता हूँ। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैं समझता हूँ कि ग्यारहवीं कक्षा में मेरे लिए विज्ञान–वर्ग में प्रवेश लेना ही उचित होगा।

अतः श्रीमान से अनुरोध है कि मुझे अपने विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान–वर्ग में प्रवेश की अनुमति देकर कृतार्थ करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
राहुल जैन

14. आप विद्यालय की पत्रिका समिति की अध्यक्षा हैं। पत्रिका छपने का समय निकट है। छात्रों से विद्यालय की पत्रिका के लिए लेख–कविताएँ आदि आमंत्रित करने हेतु सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें। 5

उत्तर :

पी.आर. हायर सेकेण्डरी विद्यालय, राजघाट, उत्तर प्रदेश

सूचना

दिनांक : 16 जनवरी, 2018
विषय : विद्यालय की पत्रिका में छपने हेतु लेख आदि का आमंत्रण।
विद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन शीघ्र होने जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी अपने स्वरचित लेख, निबंध, कहानी, कविताएँ आदि 30 जनवरी, 2018 तक सुमन कौशिक मैडम के पास जमा करा दें।

हस्ताक्षर
सुशीला शर्मा
अध्यक्षा
पत्रिका समिति

अथवा

क्वीन मेरीज स्कूल की साहित्य संगठन की अध्यक्षा होने के नाते छात्राओं को कविता प्रतियोगिता के आयोजन की सूचना 40–50 शब्दों में दीजिए।

उत्तर :

क्वीन मेरीज स्कूल, दिल्ली

सूचना

विद्यालय के साहित्य संगठन द्वारा विद्यालय सभागार में 30 अप्रैल, 2018 को कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कक्षा आठवीं से दसवीं तक के इच्छुक विद्यार्थी नामांकन हेतु हस्ताक्षरकर्ता से 15 अप्रैल तक संपर्क करें।

हस्ताक्षर
प्रीति मलिक
अध्यक्षा

15. प्रतिदिन बढ़ते कंकरीट के जंगल विषय पर बिल्डर और छात्र के बीच होने वाले संवाद को 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

बिल्डर : (छात्र से) तुम स्कूल के छात्र लगते हो, चारों ओर हैरत से क्या देख रहे हो?

छात्र : महोदय, मैं प्रतिदिन बढ़ते कंकरीट के जंगलों को देख रहा हूँ।

बिल्डर : शहर के लोगों के सुखद निवास के लिए इनका होना बहुत जरूरी है।

छात्र : लोगों के लिए इनसे भी ज्यादा जरूरी है पेड़–पौधे, हरियाली और स्वच्छ वायु। कंकरीट के जंगलों के कारण ये सब नष्ट होते जा रहे हैं।

बिल्डर : तुम्हारे विचारों को सुनकर मुझे गर्व हो रहा है कि आजकल के विद्यार्थी अपने पर्यावरण के प्रति सचमुच बहुत जागरूक हैं।

अथवा

रेलयात्रा के दौरान दो यात्रियों की बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

नीरजा : नमस्कार! मैं नीरजा हूँ। आपका क्या नाम है और आप कहाँ जा रहे हैं?

अखिल : मेरा नाम अखिल है। मैं दिल्ली जा रहा हूँ और आप?

नीरजा : मैं भी दिल्ली जा रही हूँ।

अखिल : मुम्बई का रेलवे स्टेशन क्या हमेशा व्यस्त रहता है।

नीरजा : हाँ! आप तो जानते ही हैं कि मुम्बई महानगर भारत की वाणिज्य नगरी भी है।

अखिल : हाँ जी, लगता है यहाँ लोग रात को भी नहीं सोते।

नीरजा : लगता है आपने मुम्बई की लोकल की भीड़ नहीं देखी?

अखिल : जी, आप ठीक कहती हैं। इस बार मौका नहीं मिल पाया।

नीरजा : कोई बात नहीं। लगता है, हमारी ट्रेन चल पड़ी है।

16. आपके शहर में साड़ियों की सेल लगी है। इसके लिए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सेल! सेल! सेल!

प्रिया साड़ी

जल्दी आए अवसर हाथ से न गवाएँ

शिफॉन, जॉरजेट, सूटी, पटोला, क्रेप, सिल्क इत्यादि सभी साड़ियों पर 40-50% तक आकर्षक छूट

प्रिया साड़ी अब पहने हर नारी।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
इफ्को प्लाजा, मैट्रो स्टेशन रोड, नई दिल्ली
फोन न. 8595969855

अथवा

नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

नाखूनों की शान बढ़ाती
सुंदरता में चार चाँद लगाती
सबके मन को है लुभाती

आकर्षक रंगों में उपलब्ध

शाईना

नेलपॉलिश

कीमत सिर्फ 50 रुपये	सस्ती, सुंदर और टिकाऊ

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online